आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–24 मई 2026 **भोजपुरी समाचार**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भीसण गरमी अउर बढ़ि रहलि बिजुली क मांगि के बिच्चे प्रदेस में निरबाध विद्युत आपूर्ति सुनिस्चित करे क निरदेस दिहले हवें। उहां के कहले हईं कि आमलोगि, किसान, ब्यौपारी आ उद्योगन के बिजुली संकट क सामना न करे के पड़े एकरे बदे सज्जो स्तर पर लगतारे मॉनिटरिंग कइल जाव। एगो रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री ने आज लखनऊ में ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत की उपस्थिति में ऊर्जा विभाग और पावर कार्पोरेशन के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बढ़ती विद्युत मांग को देखते हुए उत्पादन इकाइयों की अधिकतम क्षमता का उपयोग किया जाय और सभी संयंत्रों में तकनीकी दक्षता तथा रख–रखाव व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाय। मुख्यमंत्री ने ट्रांसमिशन नेटवर्क को और अधिक मजबूत, आधुनिक और भरोसेमंद बनाने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि वर्ष दो हजार बाइस की तुलना में वर्ष दो हजार छब्बीस तक उत्पादन निगम की स्थापित क्षमता में छियासी प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। इसके अलावा गैर पारम्परिम ऊर्जा विकल्पों से लगभग दस हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भविष्य की मांग को देखते हुए दीर्घकालीन ऊर्जा रणनीति बनाने पर भी विशेष बल दिया। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

सरकार विकसित भारत–जी राम जी अधिनियम, दुइ हजार के तहत पुरहर जन परामर्स बदे मसौदा नियम प्रकासित कइले हौ। ग्रामीण विकास मंत्रालय कहले हवे कि कउनहूं मनई, हितधारक, संगठन चाहे संस्था एक्कइस जून ले मसौदा नियमन पर आपत्ति चाहे सुझाव प्रस्तुत कइ सके लें। एगो रिपोर्ट

विकसित भारत जी राम जी एक्ट ने 20 साल पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 की जगह ली है। नए कानून के तहत अब एक वित्तीय वर्ष में रोजगार की गारंटी 100 दिनों से बढ़कर 125 दिन कर दी गई है। मंत्रालय के अनुसार मसौदा नियमों को जनता से सुझाव और राय लेने के लिए सार्वजनिक किया गया है। नए कानून में मजदूरी का भुगतान समय पर, पारदर्शी और जवाब देही के साथ करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अलावा तय समय के भीतर काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है। वीबी जी राम जी एक्ट 2025 को इस महीने की 11 तारीख को अधिसूचित किया गया था और यह इस साल 1 जुलाई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होगा। अक्षित वैद्यान आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड–सीबीएसई बारहवीं कक्षा क नतीजा के बारे में नया सूचना जारी कइले हौ। ई सूचना एक्कइस अउर बाइस मई के गलत फीसि कटले के देखि के जारी कइल गइल हौ। ई समेस्या जांचल गइल उत्तर पुस्तिकन क स्कैन कइल गइल कॉपी बदे आवेदन के समय भइल रहल। बोर्ड कहले हौ कि कुछु मामिलन में बेसी भुगतान कटल हौ जबकि कुछु मामिलन में कम रासि लिहल गइल हौ। सीबीएसई के हिसाबि से अउरियो भुगतान के मामिलन में रासि खाता में लवटा दीहल जाई। कम भुगतान के मामिला में विद्यार्थियन के बाकी भुगतान बदे अलगे से सूचित कइल जाई। बोर्ड साफ कइले हौ कि उचित सुल्क वाला सज्जो आवेदन के मामिलन में उत्तर पुस्तिका उपलब्ध करावल जाई अउर विद्यार्थियन के नया सिरा से आवेदन नाहीं करे के होई।

****

संघ लोक सेवा आयोग की ओरि से आयोजित सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा आजु प्रदेस के नौ जिला–प्रयागराज, लखनऊ, आगरा, गोरखपुर, कानपुर, मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर अउर बरेली क तय परीक्षा केन्द्रन पर सम्पन्न भइल। परीक्षा क आयोजन दुइ पाली में पुरहर सुचिता के साथे कइल गइल। येह परीक्षा में पहिली बेरि फेस अथेंटिकेशन सिस्टम लागू कइल गइल। अभ्यर्थी लोगिन के परीक्षा केन्द्र में प्रवेस से पहिले येह प्रक्रिया से गुजरे के परल।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी येह महिन्ना के एकतीस तारीख के आकाशवाणी से 'मन की बात' कार्यक्रम में आपन बिचार साझा करिहें। ई येह मासिक रेडियो कार्यक्रम क एक सौ चौंतीसवां कड़ी होई। श्रोता टोल फ्री नम्बर– एक आठ सुन्न सुन्न– एक एक– सात आठ सुन्न सुन्न पर येह कार्यक्रम बदे आपन बिचार आ सुझाव भेजि सके लें।

****

प्रदेस क सज्जो जिलन में येह समय भीसण गरमी पड़ि रहलि हौ, जवना से लोगिन क जिनगी परभावित हो रहलि हौ। अधिकांस जिलन में अधिकतम तापमान चालीस डिगिरी सेल्सियस से बेसी रेकार्ड कइल जा रहल हौ। बांदा प्रदेस क सबसे बेसी तापमान वाला जिला बनल हौ। येह बिच्चे मौसम विभाग प्रदेस क पच्छिमी इलाकन में कुछु जगहिनि पर बरखा भइले क आगम जतवले हौ। ओहीं पूरबी उत्तर प्रदेस में अगिला तीनि दिन बदे लुह क चेतावनी जारी कइल गइल हौ। भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र क वरिष्ठ वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश बतवले हवें कि जल्दिये एगो पच्छिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहल हौ, जवना से प्रदेस क तराई इलाकन में आवे वाला अट्ठाइस मई के गरज–चमकि के साथे बरखा भइले क अनेसा बनि रहल हौ।

****